TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4431**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥र्द०॥श्रीपरमात्मनेनमः॥विबुधरंजकाय नमः॥अथ नंददासकृत मानमंजरी लिख्यते॥ते नमामि पद परमगु
रु॥कृष्णकमलदलनैनं जगकारणं करुणार्णवं॥१॥गोकुलेंद्रा कौं ऐन रुचिर सकतन संमकि तज्ञान्यो चि
हत नाम॥तिनलगि नंद सुमति यथा रचत नामकी दाम ग्रंथन नाना नामको अमरकोस के भाइ मानवत
क मानपर मिलत अरथ सब आइ॥२॥माननाम अहंकार मद दर्प पुनि ग्रब विसमय अभिमान॥मान राधि
का कुवरिको सबकौं करहु कल्यान॥३॥सषीनाम॥वयस्या सध्रीचि सषी हित सहचरी आहि अली कुव
रि नंदलालकी चली मनावन ताहि॥४॥बुद्धिनाम॥बुधि मनीषा उसबुधी मेधा धिषणा धीय मति सौं मनौं कु
करि कली चली विचक्षण तीय॥५॥सरस्वतीनाम॥वाणी॥वाक सरस्वती॥गिरा॥सावदा नाम चली मनावन भारती व
चन चातुरी॥कामा॥६॥सीघ्रनाम॥अघु कटित द्रुत तूर्ण लघु छिप्र सत्वर उतावल तुरत चली चातुर अली आतुर देषन नं
दलाल॥७॥धामनाम॥सदन सदम संकेत गृह आलय निलय सथान भवन भूप छय नाकुके गइ सहचरी हाल॥८॥सुवर्णना
म॥कांचन अर्जुन कार्तसुर चामीकर तपनीय अष्टापद हाटक पुरट महारजत रमनीय॥९॥सोनै हौके सदन सब मानि
क गच सच दीत जहां तहां नर नारि निज झांई कुंकि रहेत॥१०॥रूपाकेनाम॥स्वेत रजत दुरव पुनि उनि कलतरूप षरजूर स
पिकी॥११॥सारहे भूप भवन ते दूर॥१२॥उजरनाम॥सुक्ल सुभ्र पंडुर विशद अर्जुन सित अवदात धवल नवल उंचे अटा
[illegible] ध्यासौं वात भसो नानाम आभा भा सोभा प्रभा सुषमा परमा कांति द्युति॥नकह॥परे भवनकी सर जुलति दिपि 1

॥२४॥ किरनः नाम ॥ अंसु गभस्ति मयूष कर ॥ मरीचि वसु ज्योति रस्मि परस ससि सूरकी ॥ जगं मनि रहे तसमद्र ३ नाम ॥ नीलकं
ठं केकी बरही शिषी चोषनी होय ॥ शिवसुतवाहन अहि नषी मयूरं कलापी सेय ॥२६॥ नाम ते मयूर ॥ अरा निबहि अतिहीजरे अनंद ।
बिनं छिनं जहां ठनये रहे ॥ नवनी रदं नद नंद ॥२७॥ सिंह नाम ॥ पुंडरीक हरियं चमुष कंठीरव मृगराय सिंहं पवरि वृष जानुकी महचरी पु
हची जाय ॥२८॥ अश्व के नाम ॥ वाजी बाह तुरंग हय सैंधव अर्व्व कृ काल्यो तरल तुरंगम पीर अति नेकनं पईये जाए ॥२९॥ हस्ती नाम ॥ हस्ती दं
ती दुरद द्विपं प्रद्मी वारन व्याल कुंजर इभ ने कुंभी करी संबेरम सुंडाल ॥३०॥ सिंधुरं अनिकं पनगि हरिश ज सामज मातंग ॥ दंतं गइंद घ
नतेवरे रजित नानारंग ॥३१॥ सिद्धि नाम ॥ अनिमा महिमा गरिमतां लघिमो प्राप्ती प्राकीम वसीकरन अरु इसता ॥ अष्टसिद्धि के नाम ॥३२॥ पुं
अष्टसिद्धि कष्ट करि सिद्धि लहत संसार ते वृष जानु सुवारके ॥ धारे सु धारनं हार ॥३३॥ नवनिधि नाम ॥ महापद्म अरु पद्म पुनि कछपं मकर
मुकुंद संष चरव अरु नील इक अरु इक कहत नंद ॥३४॥ ए नवनिधि सु जानते कौंक विररै दीष ते या वज्र नरय्यकै वरतं सिषार निजीष २५
मुक्ति नाम ॥ मुक्ति अमृत कैवल्य पुनि अपुनर्भव अपवर्ग ॥ निश्रेयस निरवाणपद महासिद्धि नर सुर्ग ॥३६॥ मुक्ति जु च्यार प्रकार की नाहि
इतं विहं योग ते हम जानु कौ पवरि हु कि पावत पावर जो क ॥३७॥ नाम स्वामी अधिपति धरिहठा अधिपति नृपति नृप राजा जहां ह
य नानं वनि बेठे सनो अनूप ॥३८॥ इंद्र नाम ॥ वाक बासव क्रतु वाचीपति संक्रंदनं पुरुहूत कौशिकं वासवं वज्र हाथ मघवा मातलर्व सुतरथ
जिष्णु पुरंदर वज्रधर आखंडल हरिपाक सोहै जनु वृष जानु नरा को है दंद्र बराकं ॥ देवता नाम ॥ देव अमर निर्जर विबुध सुर
सुमन सत्रि दिवेश वृंदारक विबांन गति अमृत भुज अस्वनितेषु भ दिविषद नेषा बाहि सुरवं वीरवाण अनिमेष क्यैं न देवतां र
क नरो जहां बैठे वनि ॥३९॥ अमृत नाम ॥ सोम सुधा पीयूष मधु अगद राज सुरौनौ अमी जहां हरकथा मन रहत सब लोग ॥३३॥

ई सुभां क

सेवक लोक नाम ॥ किंकर किंकर दास पुनि अनुचर अनुग पदाति नृत्य किरत जहां मैं नये वविं वरनी निहि जाति ॥४४॥ दासी नाम ॥ चत्या
दासी किंकरी चेरी जरहि डुंभ अंतु राकनि मनिमय अजिर में कांतर वास को वं सुभ ॥ अंतहकरन नाम ॥ स्वांत हृदं मन मथ चित्त आत
म मानस नाउं मन मनं सोचै सहचारी जातरकी हि विधि ॥४५॥ अंकुर नाम ॥ कंदल गाक पादत नषी नागदपा पुत सांधे कुंकुम अंकुर हग
हो चल्ली तहां न वेषे को इ ॥४७॥ हारा नाम ॥ निष्क पदिक ओ चन्द्र पुनि हारावलि ओ संकुची तिन तन देवि उलु नृप नवने के ते ॥४८॥ मोती नाम
मुक्ता मोती गुलिक जलज सीप सुत नाम मुक्ता बंदन माल ले जनु विहसे सुदर धामे ॥४९॥ मंगल नाम ॥ कुज अंगारक जो भूकुनि जोति
ते महि बाल ते मंगल से लो लो उ दिन धरे तुं दीपक ज्ञान ॥ धन ॥ गुरु नाम ॥ उचा नां जा गीवं काव्य कुल कवि अस पुरोहित हा ई गरु मानी जीव
जहां गुरु धरै सुतु काइ धर ॥ लक्ष्मी नाम ॥ श्री पद्मा पद्मालया कमला चपला होई ॥ सिंधुसुता मा इंदिरा ॥ विष्णुवल्लभा जो ईधर जाकी ने
क कगाहि व दिर सो सबै रूगं काय मां लक्ष्मी वन जानु धर ॥ प्रातु बसी है ॥ आहश्व मालो नाम ॥ अबो मा वेत्री प्रभू ऊवय मीमा नाम ॥ जनन
राधो कुंवर की ॥ ले डी मंडले धाम ॥ भवनम् सकार नाम ॥ वंदन अभिवादन प्रणति नमसकार ॥ कारंनाइ ॥ आरो चली सुभकल अनतजि
हो कुंवर व ॥ आहिं धवेरी नाम ॥ आरोहन आरोहि तु मिनि ॥ मालो सोपान ॥ मणिमय सीढीं च दि सबी ॥ नषीं ने काकु ॥ मान भई पुत्री नाम दु
हीं दुहितां कन्यकां तनया तनुजा होर सुतां जहां वृष जानुकी ॥ तहां गई वषी को ई ॥ ६७ ॥ सखी नाम ॥ संकु चां पु ॥ तल्प शय्या शयन संबेसन वैजनीय
कुल के सर्व समन वरे ॥ बैडी तिये रमनीय ॥ ६८ ॥ असीसा नाम ॥ उपवरहन उपधान पुनि कंदुक को ई ॥ बयार मृदुल ॥ उसीसा दै कुवर बैगम
चंचे सारे धर कुं ॥ भगनाम सुमन सुः सुमन प्रसून पुनि ॥ पुष्प ॥ उप फल विडु नाम फूल ने गेदं करं बरं जाय ॥ बिसला बेलं ततभामं ॥ ७० ॥ केशो नाम ॥ अ

६ सिरोरुह ६ चिकुर कच कुंतल कुटिल सुठार अलि जलितं अजार जुरे चंद हिदरे वरा रेषा नीलार नाम मस्तक अलिक
लार पटि अवि बनी जटा ईस नुद्धिं जागि मनि जाने ते आहरि अगटी आइ पर नेत्र नाम लोचन अंबुक चक्षु दृग ई दान रूप आधीन
क कुरिये राते नयन जनु अंबक जानि मीन पत्र विलसी नाम विद्रुम कलमी मीन लो मत्स्याधारी नाम बेसर को उर ओठ नर मान कुंद
नवासा नाम ५४ श्रवन नाम श्रुति श्रवण आनि तं राय ग्रही करनं पुजा नवि नीर जनु बिंब रूप कमलुं कली फूली मुख तारा नीरंध्र अधर
वनि तं उद्यं पुनि रद अदं अधर मधुर द्वारि जाय जिन कौ नाम निषेध तं बहि किल के उपकै जाय पद दृगन नाम रद न दशन द्विज दंत
दं दर्म दमक तरंग जाजे नवने नीरद में जनु जमे दिन तज वहने बीज पद ओठी नाम चिबुक चारु निचं नीचं कनक धोरा जत ऋषि प्रेम उद्धं
नाले अंग नकी मकी करें प्रवी मैने पत्र ब्रहस्पति नाम विपुल लियो हित अंबर रेषु आचार्य गुरु जीव ब्रहस्पति चंद्र शशि तन वदन बनी
ग्रीवा पर वदन नाम आनन आस्य लपुनि वदन वक्र उदल बिजोन मुष दल दश दौ जात दम निमेद रपन मुष पोन ६० कर नाम हस्त बाहु
पुष पानि वर कर बक धरत कपोल वर अधिविशेष जानन पोवत दंड अमोल ६१ ग्रीव नाम गल नल कंधर ग्रीन पुनि कंठ कपोत कोटं
[illegible] जहां जगमगाति मनवि कोनी आन दर उरज नाम उर जंदम भोधर कुच अनके उरमंडन [illegible] कंचन संपुट देवता प्रजितं पाये
मन दर्शकनि नाम रसना कांची किंकनी मेषलो जाल सप्तावलि जनु मद ने रह वाधीवंदमाव नूपुर नाम तुला कारी मंजीर नुपरि
हलक तिपायं मणिक्वचनी जनु मैन कौ बीनो [illegible] नाम [illegible] नीरे रूकनं पारि [illegible] नाम
[illegible] नाम रक्तांबर सुक कीर पुनि पद न वपत दियं नाम कुक्षि जठर [illegible] पाय तन नाम ६२ दरपन नाम
प्रतिबिंबी आदर्श [illegible] कर मुकर [illegible] प्रतिबिंब [illegible] नाम [illegible] कुरि [illegible]

२ [illegible] किरारी होई सुरा करे गांडीव धर पार्थ कपिध्वज ६१ अर्जुन ज्यौ धनुधर सकल [illegible] नाम अमर नै बीय तिमं नव प्रेम अवि
[illegible] रची नर्मन मानि ताये ६२ युधिष्ठिर नाम धरम तात सुअप जाति [illegible] को तेय के करता वे नृपति युधिष्ठिर समर [illegible] नै सो [illegible] चार
६० नाम [illegible] विष्णुपदी निरजर नदी निगम नदी ६२ [illegible] नदी मंदाकनी जागीरथी अमरूप रे सुरसरी जोति [illegible] पाप हार सुर
[illegible] निर्मल [illegible] नाम [illegible] नर नारि ६२ दीरघ नाम [illegible] पदि लाह [illegible] आयत तुंद विसाल दीरघ [illegible]
[illegible] नाम काय कलेवर कुलप वपु देह [illegible] उपधन [illegible] नाम [illegible] पतंग
[illegible] को करि [illegible] ६५ कमल नाम पुंडरीक पुष्कर कमल जल
[illegible] जाम राजे ६८ मकरंद [illegible] कुचो [illegible] मुषं [illegible]
[illegible] जाउ ६७ चंद्रमा नाम इंदु सुधा निधि [illegible] बाधि [illegible] करो [illegible] हिम
[illegible] कुरते चंद्र को [illegible] होई [illegible] को कहि [illegible] को ई ६८ काम नाम [illegible] मन मथ मनोज
[illegible] पुष्प चाप मन सिज [illegible] काम पति [illegible] रति [illegible]
[illegible] नाम मधु कर [illegible] भ्रमर [illegible] सलिल [illegible]
[illegible] मधुप मधु [illegible] इंदीवर [illegible] नाम [illegible]
[illegible] दामिनी [illegible] घन [illegible] वन [illegible] ७१ [illegible] दामिनी [illegible] नृपति
[illegible] नाम [illegible] प्रिया प्रिय [illegible] को ई प्रियक [illegible] प्राण [illegible] को ई ७० [illegible]
[illegible]
3

हिं जनं व जावत सह चरी ब्रह्म विरजत नाहिं इस गांव खोलि नाम पुष नामन नंकुल हिं जो नाम पषा कर नाहिं जो हि अमे न लि बलतने जनु वापक्षा
विति आहिं १० समय नाम सामर्ज समयं प्रनीहं वर्ष अनिमिष लेखां काल वर्षलि गेलो ख्यात यों देखी बालन र पाल ७१ पानी नाम अंबु कमल
कीला लं अलं पय पुष्कर वन नाहि अमृतं अरन्य नीवनं तुवन घनरस कुम्भ वापरि ७२ मेघ पुष्प विषय विमुख कंकवंध रस नाय उदक
कार्य संवर पवित्र लंम्रप रूपी है पुनि सो ७३ पानी नैन पाषा पिके अंजन ने हो तो कीय प्रगट नई पिय की पखी निपट यमी किते हप्रि अस्वरना
चरन चलन नमति वितं पुनि अंध्रि पाद पद पाय पग वंदन करि कुंवरि के गाढी यन मुष आय ७५ हरि जानाम पीता गोरी कांचनीर ज्नी
पीरो नाम हरद है हिं सूनो परत ज्यों योवै पतनु वं नाम ७६ कुटिल नाम वक्र अयन कुंचित कुटिल टेढी जोलनि गोरे अ सनि कमल परं शांत जनु
पंच पसारत जोर ७७ भृकुटी नाम न्द्रूं तंड्री भृकुटी कुटिल सोह यनतर करि जाल व्कुल काल विनित नक वो नी बाल रसाल ७८ अ
भय कांव चन खेमं नाम खेमं अभय नन्द नव शिव संमुज कल्याण कित डोलत कहुं कुमर है प्रकृति कुवरि कुनान ७९ नाम क
नाम यज्ञ आदि को सो है पुनि होम धाम पुर्व नाम अमी वर मई ८० दरस पुनि नें व संप्रत नेकाम सुवति नाम जी लल नां श्रीमंत नी वाम
विता नाम अबला बाला अंगना प्रमदा कांता नाम है कली रमनी सुंदरी नवसुंदरी पुनि को इ नियत नी नि कबीके में रची विरोचन कोइ
दरकी नाम कामानु जे अमरष दर्पं रोषम सुतम जोर सोने जरी निह कौ निरषि उरी मह चरी को इ ८२ मुला नाम अजक मलन्छ वधो
तो धातो रातधर्म कोइ सूत्र यां चतुरानन धि मल नृपल स्वयं ने को इ ८४ लेले यत पव कवि मकौ जितो कृतौ जगे मांऊ तो हिं रवी विध
मो जिनु के लुक्र यो कै गइ संभव पं सुंदर नाम सुजगो सुधम वं पर रुचिर कांत कमनेक मनीय रम्यं सुपेपेल नव्य नव सुवरं रवं रमन
मं सुंदरि वर कुवर नागर नगर भरी पंथ ओइ रखी विधि नो निपुन देके प्रो तलत बाप ८७ अंकुन नाम निकुंज घन नये विजयन

तव वीर्य व हे वान ८८ कान नाम कान विपन वन यं वनन लता कर्ण कांतार अरण्य में नाके लेवई नागर नंद कुमार ८८ वनवी नाम तवी तरीतन हिल
बल्ली पुष्प ली लेई तुमां आय की कामु की पर्ण पिछिला कोइ ८९ वे र्षा नाम वारवधू जगवल्ल जो कहते संजानी हरिहिं मुह संनारि किने बोल
ली है काई वेश्या आहिं ९० अमृत नाम नाम पानबंद जुजे सुदेरपु त्य सुरदितिज निपट असमें त माया रूपी रैन दिन घेत सन असुर प्रनेत ७
संध्या नाम संध्या नियमु पितृप्रसू सायंकाल प्रदोष साँझ परी है बैठे चित्रलि आंचल हि निमो करि रोष ७२ विष नाम गर नेह हलाहल गर अ
मृत काल कूट रस मार रस में विरसेन घोर बलि अचाविं अर्व निकरि जमर ७३ पपीहा नाम कालकंठ दा न्यूह हरि चात्रिग सारं
ग नांद धन यो कहै पपीहरो नाहिं नें वनें बलि जो न ७४ कोमल नाम मंजुल मंजु मनोज्ञ मधु मधुर चारु सुकुमार ललित उदार सुन
र को मवकुज को आधार ७५ धन नाम द्रविण द्रव्य वसु वित्त बालि राय अर्थ पुन भोग धन जे तो कुमन र को निमो न तीन कुं नाग ७७ स
नी नाम दिनदा निपात ने क्षपा नी तमी न म सो हिं ये निशि सरवरी विभावरी रात्रि त्रि जामा को इ ७८ सुधर सुघाई सरद की कंवी नाम
नी जाति चलि व मोह नत्तानपे कत बैठी अन पात ७९ पति ब्रतां नाम साधीसतीमन स्विनी सुचारित्र गुन हाथ पाते वरलां पुवं नाद
लें हेत जगत में ना ८० आकाश नाम अंबर पुष्कर नभ वियत अंतरीक्ष घनवाय व्योम अनंत विलायसी यसुर वर्त्म आकाश
८ गगन जुत कुगन व निरहे नक चहो तजि रोष दिषनौलि रोरूप जनु भुरत्य कोय करो ष ८२ संग्राम नाम आजो धन रन अ
जि युध आहव संष संमृह संपधराय संगर समर संजुग कलह अनुइ पुरत युध जवं पाय सु तो हि वनेमो आन ८३ नख नाम
चन विन कुवरि करिहो कला प्रमान ८४ नष नाम करज पुन नविं नपर नष दरंग नीनी नाम कब कीजि मो नुं पनति बलि नाहि
कहुं नष को काम ८५ अल्प नाम तुल अल्प नव सूक्ष्म तनु निपट कृ योदर तोर कहिं वलि पतो मान संचि तष्को है किछु बोर ८६
म करी नाम लता सूचा मरकरी उर्ना नाभि पुनि सो यज्ञ तुक्र मकरी गुरे करी पकरी वि घ्रा को इ ८७ मार गन्ध मव त्रिम अघास
ए लि पद्य संवत दे नीहार मगुदे पत है ह ८६ मानने नंद कुमार ८८ कि पोनाम पमाद वा किरपा हस्ती अनुं कंपा अनुक्रोश
करुणा करि क दयान दे के करि होत ८९ दया नाम हिय कृपा कृपा करुणा दयाकर मान मधुरों जितो ने तो
पु सकी जो वे

अपार अरतनाकर गुन हरि केद्रुदी गिरिधरन लनिहि निजि प्रेमक मो लयि पुन नामा मैं बाल्येषप मरकट नाम कपि वामामृग बात मुं
कीपच्छ्वगोलांगूर वानर करवरनामा यरविद्यो विधातो अरि ४८ श्री नायक वचनौ अनन्त नाम ३ हरि प्रिय बलभद्र बलपौकर्षण
राम नाम बदरेवती रमन मुसली पालक कामं ४९ अंबर कनहरी सुपक रहि कत वेनी जिउन्नित हरे हलधर केबांको किनी वाइ दे
धरनाधी वचने पृथ्वी बिति दोली समाधर नी धत्री श्राय उरवी जगती वसुमती वसुधा सर्व सहाप्रं भरअचलो विपुला कागरी धरा
अवनरोहप्य गोत्रो अवनी कुबनी मही मेदनी योगं ५० विपं जरो वसुधरोधिरो कनकपी अहि हरि सो अनेनो न्हेरत्नी मिंकएतक
निनाहि पावंधरो जहि हू के सीप पारि सोहत जिम कनेहीर क्यों आवाहि तुव ऑमितनि वै हलधर कवीर ५१ बाल नाम तोमर
जिसन अमृतो बिसिषनिलीमुप बाले खर मार्गन नाराच इपु पत्री भावनी प्रालीप करायक चापं विरां धुनिले सहि बलीसमि
नाहि वचन तीरके पीर बलि मरैं नजौ पुगं नाहि ५४ अग्नि नाम पावक बहि हुतासन दहनो चिसी धनंजय होई कुकु अय वुध वाय
सखं बीतहोत्र पुनि योमप ५५ जातवेदं ज्वलनो निहारि चित्रभानु रहन्त भानु अनलं कृशानु वि भावसु निकई नीलकसानु
५६ अग्नि दग्ध जो कुम ज्वलाकि रिफल्ने फलनी नेंदये व बनेदग्ध जे हीयं बनि बक्रन निअंकुर ज्यों ५७ मरन नाम मुत्युं मंदं
जइ मृत्यु नाम कहे खबें सबें मरति जन जाने कहा मनि जे पै कपि कं ५८ अग्नि नाम कुती कुमन्ले कोवि दं निपुण
कुशल प्रवीन निष्णात पटु विदग्ध नागर कोउ अभिरम की वात ५९ अपरोध नाम अपराध आगं सहितने अहित अवगुन जोहोई पीय
जाहि जिसे सखियो नं माजी मेंनी यद ६० अव नाम दोष दे रसदं सोहि त प्रलाप रताँ अनुराग किते मोनेरोंप्रेम वह हे नामनिबल जामोदय व
न नाम अनं सब पत्ति तदीत मनं गीतिवरी होय रीले विलो बायें मों दीं अवने प्रद्युम्नि का मे हर गिरि गोमसपदे वाम करंध सो स्याम
अनितान नो नरमे ६१ भरधरी अवल लोमटी नं ना मं ६२ भुजंग नाम वनगं नाग नेक जोंल र जे जिस दो जोमी भपर्प यदं अवाहरि यरी आपका कोटर
६४ आपी विष विषधर फनी मनी वि जे जापे अपने चक्री दवी पृष्ठपदं नेजिह के यत्ने कालो ६५ कालो अहि गंज नैंसमें मो हिलपीं
ओंर नंदनंदवियं प्रेम रचो परते क्रुती दर्प को हि ६६ पाउ नाम पाधा विष्टरो हस्ते विधा पीठ आ निगि नोने आके तनुं परप्तेपीर विने

बयं करन करलो वान के ... मीमि कम्पो कान्हा कुकु न विहि तो आसो रहि कोर कन्ह के चितवन तें वेई भोर नंद कि सोरें ६८ नदी ना
मं सरितांयक नी तरंगिनी तटनी कूलनी ल्हाई सो तो अवनी निम्नगा सिंधुआपगा सोय ६९ जो बनि नी भातसि नी दीपवती जलवा
नदीनदो का ऊं बाट मैं सोचं कहाँ बाल ७० पितो नाम तातं जनक बप पुनि पितो बांतोर गुन धर्म नोप हिये न दहलाल को दे तकु लो
है नाम ७१ विवाह नाम परिनीति वे साहि परिनयन उदाहु विहित विवाह सो तपुरी सुजन योन हीं कुपदे तौ अहि नाह ७२ पायक वचन मदरा
नमधुमाधी मदिरा सिरा प्रसन्ना मदली हेव आसव मयं कादंबरी मधवारां मय रे ७३ स्वाद रमां पुनि बुधिलो सज्ञा सिंध प्रवृति भवपी
ये जो वक्रति को कलां वकति है ई ७४ सुपाविन भले अकि सि निसरम महुं अनि विश्व सुची नं गुनाबें कबनें ट बें टहीं परति पुंद रि कलनेकन
वो ७५ अंधकार नाम अंध तिमर तमाय तमं धौत कुहरे नीहार यों ते रेंदयो कुंवर को मन नेतने ७६ भार वरबि के नाम याची विरसी अना कं
है जो कुकु नंपाद पहाय पत्री दलवे फल बर्हि भागो वृद्धी मही मरु योम ७७ सुरत दं सोरोतन पां विदि के बके विलपत यीय नंदबिनत
नकदेयां कुकु नपतति विरव यही यंर ७८ पत्र नाम पत्र पर्ण दल वह छिद परकें तंज बत दपात तो आलाम न भं चौकी विय अबि
उतनो तातं ७९ पवन नाम स्वसन मनगति मरुत मनि मारुत जगत प्रान अनिल प्रभंजन गंधवह नल स्वान पवमान लग्नु
वेतन पप रिमलं पसं जवंगवने मधीर समीर नाको वकुमन मौनें कहि परीजित बक्ती रम ८० धुनि नाम नाद निनद धुनि धोई घ
करिव आरा वं वें बंसी मैं कहत पिं हसो रे सुर अबं ८१ आज्ञा नाम वयं आदेस निदेसो पुनि आ ज्ञा संनिवेशं आयस हे अव
जो उ फिरि जहिं उमी तमं सोपरे ८२ अतिनाम चचा अतिशय अतिशे विअतिभकि अतिनि निते तं अतिघर्वजं अजी नहीं कहे गये 5
नति अनंत ८३ पक्षु नाम विकर प्रकरो निकुरं बं व्रज ग्रं पूर्ण वय मह के दल जाल क आ पकुलं नि वह निचयं संघ ८४ आतं अनंतनं
दं बसन ग्राम तोम बकु वृंद मैं अनेक बाते कही जई ते वे कोविंद ८५ अल्पं नाम दरमनी कं दशदं अल्प रंचक मंद मनाक तनंपि
यवरु चरित नसिते मुसकी कुंवरि तनाकं ८६ कृष्ण नाम कहने विधकर अकेहन तु दक्त वे रमिवं पुनि आहि दुषं जिने दें अव जानादे

जिम वेगी अनिलाहि ॥२१॥ भीनाय कांवृद्धन नें अरध रात्रि नाम निशीथ निशीथ मध्य निशा को नेकनी अधरात कों न चलैं सखी को ई राहि जे है अधि
परभात ॥२२॥ सखी वदनें वुझकेना मं अप्रताति कुलियत निरघात पुनि वुजु पीतरी नांहि परें कुरेके धाम पर विरयं करेस मांहि ॥२३॥ लज्जा
नाम क्षीन ढ़ों व्रीडा त्रपा अकुचिं न कर विने काज चलि चलि प्यारे पीय पै सोषाध पातिकी काज ॥२४॥ जूती नाम पद त्राण पुनि उपान
ह पादपीठ सद्ध नाय पनही मनही नावती प्रा गैधरी न नायं अप्रदान नाम पथोध हरम्य प्रासाद तें चांनी पुवतिगिनि ॥२५॥ श्रोनति
मातु गगन तें अवनी कृत रनें वैस्ट मकरचं दुनी के नाम ज्योतिरखा पुनि कौमुदी न करि चंद्रिका नाउ जो नरूपी पर तिं वदन ते
चोरी ह विवानि जाउ ॥२७॥ वीथिका नाम पदपंक्तिनी वीथिकार्यां कदी ये नाहि ॥२८॥ वीथी चलि नांनु चलि निपट विर आहि ॥ उप
वन नामंकि त्रिमसुंग वन उद्यानं उपवने यों आराम इहि वृंदावन वाग उपवन छिपि वलि के कवि को धाम ॥१९॥ वसंत नाम कुसुमाकर
रंजि उ राज मधु माधव सुरभि नव पं तमाली इम रंजु गव त मदा माते प्रथिक ले हंत ॥२०॥ पंछी नाम द्विज अकुंत पंछी सकुनि
अधि कजे विहग विहंग वियग पतत्री पत्ररथ पत्री पतग पतंग ॥२१॥ रटतो विहंगम रंग भरे कोमल कंठ सुजात तुव आगम आनं
दं जउ करते परसपरं नात रखपावलें नाम वलद वलपीवह जैम जल वानें वोधत्रि हो अपन त्याँ पपद दवलि दाडिने जोरि
धरिम त्यरं अपारव्ने नाम थालीपट नी कलम हो वामा स्यामा नाम अबला मधुं कुलि दूहो पार ल्ये करनि प्रगल्भ मन ॥२४॥ आम्र नाम
कवनें जे कामां ग्रं पुनि मवि रासव सत करयहे रसाल की मार वलि नें जुरही फल जारें ॥२५॥ बंधूक के नाम माधव मधुकदुम मधुक
वो मधुक ष्ठील गुरुफल पं वंधुकं कें फलने विलिकलु उव गं पनि नूलें सदा रिमं नाम खवा जलनिम करक शुक प्रिय कुष्मि
नारंव दधिम कुम दवी वलि कलु उव च ना नीहार ॥२७॥ कदली नाम रंभा मोचा गज भुसा जानु कदली सुकुमारि पिकदली जि
नामें कलु उव उरु जि तनि तोरे ॥२८॥ बीलनाम सुरभि सिरि फल सदा फल लाल विल्व मालूर पुनि फल ल तुर्य कचि ने समेव
हतें भकुन कवि करूर ॥ माल ना नाम काल कंधनापि द्रु पुनि विदु के वायं नमाले वे हो जिहिं कालि वलि कुमं मदे मोहन
जानें ॥३०॥ करदें वना मा ... ग्रिमें गुजो महि रासेगंध सुवाद यह करदं वें वलि कांके जिहि चढि कदें दद सोहि ॥ केसर नाम दरी

वातपोत पुनि वुस कुमी ... वहरि रोनि वाति नें पत्रार्थ के यं विदही जन निकों नाहर नहरों नितायें करु वहेरी नाम अहो विजनतिकं कर्ष फल संव खां
त्रीके कलि वृहदू नता यां वहेर तरकें जनि चलि हर्रा अप्रदं ॥३३॥ नारीयर नाम वानर मुष पुनि नांगल्यों नारि केरि सुनका म अरथें नद
मिं वालि नारीयर तोहि करत परेना मं ॥३४॥ सुपारी नाम घोटा क्रमुक गुरक पुनि श्रम पारी आहि वारी वारी कहति वलि रंच कंदं न
तनें चाहि ॥३५॥ के ल नाम मा तम गुपता कपरलता विश्व श्रेयस्यां नांउ कंकू करति जु अंग मैं केलु न के नालि जोउ ॥३६॥ मिरच नाम
लिक्को उषणं कोल कास्मक त्यां पुनि नाउ मिरच वलता वीपर कहत नली करि वलि जो ॥३७॥ पीपर नाम कोला कृष्णा मागधी
निगम तें कुल्लीतयं वैदेही स्यामा कणा सुंडी कहिये सो ॥३८॥ यह पीपर वलि पगे गहले कहत वकुला पर कारे अब तै इतनी कु
रिंकु वारि प्रीत संनों ने आधार ॥३९॥ हरडै नाम अभया पथ्या अमृता अव्यथा तां सत नकहि होयं काय स्यां पुनि मन तां सवां के
यसां लोय ॥४०॥ यह हरीतकी पगं गहति हरति उदर के रोग ज्यों लगिर घर लालकें वालन सकल सुष जोग धरं सवं नाम विश्वा
नागर जग भेषज महा उषधी नांउ यह सुठी सुंठी पगनि कहतें कि वलिर जा ॥ ध्रपरवाली नाम सुषि रानरी नली धमनि कपे
ताडि परवाल उवें अधरनि सम करतें कवि यें नही मद्धुले रसाल ॥४२॥ कुस्प नाम स्वादी मृदु कां मधुरसा कालेमिरवली हौयं सु
करमाली गोस्तनी चारुलता पुनि सांव धव यह दुरू प्रसव लिपगे परति रचके इने तने चाह नहीं नपसी लीवाल सी निपट रसीली आ
हि ध्यं के सर नाम काश्मीर कुं कुम रुधिर देव वल्लभ जो नांउ यह केसर द्विवैग नरि कहति चली करि वलि जोउ ॥४४॥ पुष्प
नाम हरिली गनि को जु धिकां हम पुष्प कां जायः ॥४६॥ जूथी गूथी अविनु कांडी ने तक नायें ॥४७॥ राजवल्ली नाम अंबष्टी प्रिय
वादिनी राजपुत्रि कां आहि उ माहि दधि फूली जं मति वलि रंचक इतें चाहि ॥४८॥ वेली नाम सुमना जातं जं मत्रिसजन्म
मंथो आसु कलु के उवं तनें वास यों मिलते जातुं की वासु ॥४९॥ संजीवनी करी नाम जा वा जीवनि मधुस्रवा जीवनी अनि नीज
हतें संजीवन मरिंव हजैसी तं वलि जो उ ॥५०॥ कुपहरीया फलें नाम बंधु जीवें वंधूक पुनि जपा कुसम उनिजा हिउ पहरिया के
फलें वलि निनिरी फलें उहि चाहि परें जु जो नाम काक चिंकां पुनि कृष्ण लाल गौजा करते प्रगाम सुषें जु स्याम नजु स्यांम कीलें नेना 6

न्मनिरांमीस्परकैकोनामंताषबजूरी।त्रिणद्रुमा।कोतिकंपकरतिपायउवें।आगमंआनंदबलिफूली।आंगनिंजायपरुवंगनामदेवकुसमश्रीस
कौशुनिंझामकजाकोनांवजनिंलतलवंगलताइतहिंपगनिपरतिवलिजोंतंपराएलानामचंदानिककोनिकुटी।त्रिपुरांवालुमाबेलिमहंफूलीय
गंगाहिनबलिनेइहिरवकमुषमेलिपपमाधवीनामंवासंतीसोईद्रुमकोमुक्तिलतासुनिनांवइनंमाधविकाफूपरतिनेकंचितैबलिऔजनपदनामक
लेनामंतांबूलीअहिवल्लरी।दिजोपानकीवेलिसरसंनइउनंदरसनतैबलिरंचकमुषमेलें५७सोवरनामफलपुष्करकासारसरसंग्यात
नेमहागयहदेषोबलिमानयरफूल्योतुवअनुरागर८वटकीनामजटीकपर्दी।रक्तफलवडपवदुनिनिग्रोधयहवंसोवटदेषबलिसव
सुषनिरबाधैरोध५९लेषनीनामलेषनिरदनीमसिमुषी।कवी।कमलेकहाय।लिषतलेरवकेहाथकीकिलकउषकैजायद०रोमाव
लीनामरोजी।अवलिअलीकन्ननिरोमघंक्तिइहिआयमानकुउतनैजगलैबूरवैगीकीजायद१नरकसनामउपासंगतूनीरफूनिइषुध
मनुषनिषंगआयमनेकुमनमथ्यकीपिहूरीजरीफरंगद२अंतरध्यानंनामगुप्ततिरोहितअंतरितगूढसंरहनिनिलीयलोकाज
मैंलुचिकिलषीदेषीइहविधितीयद३जैनामजैसाध्यसअतंकजीबजेदरफुनिआसमरतेप्रयोमहचारीगईकुंवरिकेपाविद
कालिंदीनामयमअनुजारविजायमीकूलअस्यामतलेआपयहजमुनातवलमदेंपिरिआवतितुवपरतापद५तरंगनामंजंगतरंगकि
लोलंपुनिवीचीऊर्मिसुजायलहरीहाथपसारिजनुजमुनापकरतिपायद६जन्महोएकोनामनेजउइनतमंजननजनुउत
पतिहिनामजनमंसफलतवहीजबहिभजीयसुंदरस्यामद७नीचेकेनामनिम्नउमनतनकऊअधअपचअजसकीपानिनीची।नारिनमति
वाल्तिनेकंकजोतीमांनद८लघात्तलनामअलुजंअवरजसनाभिकनिअजिष्टकनिष्टकनीयलघुसोपदकीकोपकृचिलषी।स्यामके
तीयकुंदवंनामनामाधीकुंदकलसालालितपानपरतबक्कोतिदिनकीजलीकलीनिमेंउतवंदपसननकीकोतिद०रणनामसारवमपफुनिउ
पकरसंकुरअपसारमकरंदरसकेजानतहारजिमेसुमिपेहैंयुवकेवं७१उपकंवभेनामकूलपुलिनंउपकंठतटनिकटरोधअस्यामतीरन
रचलिजोअवलिप[illegible]वैतकेनामवेतसवानीरविंडुलरथीअसचपुष्पवानीरमंजुलबंजुलकुंजनरबैठेहैं।बलवीर

नामप्रततीव्रततीवल्लरीविरुनीलतोअमाने।अमरवेलिजिमेमुत्नेविनइमदेषलतुवमाने१०७प्रीतमनामसुहृदयितवल्लभनसखा
प्रीतमेपरमसुजानेदियसारेयोंजाकुमिलिनकरिअकारनमानेरु८पुत्रनामआत्मजअंगजसुतनंदनपुनितनुजसुउदवहतात
नंदनंदगोविंदसोनंककरिकरवकीवानै१०९मानुषनामंमानुषमनुष्यमनुजनरमानवमनुजपुमानजरजिनजानकुनंदकेहरि
एन्हारिनगवानै११०योगेश्वरनामऋषिसिद्धतपसजतीव्रतीतपीपुनिआहिंयोगीतिनमनेचितलाययेतिनहीपाजतजाहि१११
वेदनामआमनायश्रुतिब्रह्मकूमधरमंमूलसबकामनिगमअगमजाकोकहतसोइसुंदरस्याम११२शेषनागनामंशेषमहाअहि
अनपपतिधरनीधरनेसहसवदनकारेगुणगनतनदिनआवतअंतनं११३भमराजनामबेषषरतसुनेपितरपितसबजीवनिप्रनि
दंमहिषधजेनरवंदधरअमवरती।पुनिश्रीकाई११४अंतककालकृतांतयमजातेजसउरपंतसोतुवपियअहिजनमतैधावरनेकांपंतिप्र
बैरनामपुनिकूनिम्बरवैरभौलधनदेएलबिलहोइगुह्यकपतित्र्यंबकसखाराजराजपुनिसो११५नरवाहनकेनरअधिपजक्ष
धात्रींऊंबेरदरिपदपंकजपावतनाहिनबेरु११६वरुणनामंपुलोमप्रचेतापाशिपतिजलपतिजलचरइंद्रसोतुनेतुवकियपयानेप
रेपयवेनरहततितेयमि११७उरगांऊतउमाअपरनोइखरीबोरीगिरजोवीयेमुडांचंडिकोअंबिकाजवानवानीहोई११८आर्यामेव
कप्लेअजोअरवेमेगजाजोमोमेमायोजिहैअधारंजगेविपरतारतेहनामर०गणेशनामजेबोदरहेरंबपुनिचेमातुरइंकहंतमूषकवा
हनेगजवदनगनपतिगरिजानंद१२१कादरविनायकजोलिषेमहिमकादकोटिमोपेतेरीपीयकेंसुनहेआवतहोंहेर१२२नामकांवय
मेधारतनामप्याली।जितकुहिनेकितवंछदमेंकूट्कूंडली।जैकपटीकानटकुचरकी।कैतीकहतेतलीतुपवसीवेचनाकुरंगकेनोम
पर[illegible]तोबावलप्रिपदहारिधारंगपुतेआहेमसुत्रियाकेंदूजोलीयेंवालिवोरीहलतहि१२४पायंनामपदअंघ्रिचरनउक्तिहउरतेआ

7

खेचरिकं ल्लेपंक किल्विष कल्मष कलुषु पुनि कसमल अमल कल्नं को२५ पापमहावनं दहनदवे जाको रंच के नामे ना को चुं कपरी कल
तकेहकिहोहिं नामे२६ पाषान नाम ग्राव अश्म प्रस्तर उपल पुनि पाषानि अतिचारे वानीपरं पोह न तिरैं जाकै नाम आधार२७
नावनाम उडुप पोत नवका पलव तरी बहित्र जलजान नामे नाव चढि नव उदधि केतें तिरत अजाने२८ रुधिरनाम सोणित रक्त
कंकोलं पुनि रुधिर अस्रक क्षतज जात लोही पीवनि प्रतनो प्रतंजई कै गात२९ राकस नाम कोणप अस्रप पुन्यजनि निकषासुत कुनी
द कर्बुर आसुर निसाचर जातुधान क्रव्याद३० असघ से राक्षस से पाप की मेषी गति होते३१ अवाट अमाई पीय मै परगट जाको नो
तिरे धरनि नाम धरि धरा पेरी देहेनि पांसुधर कतो मंद जो पद पकज रेणुकौं संठल नमन कै मनें३२ महदेव नाम गंगाधर हरस्य
त्नधरे शशिधर संकर नाम शर्व शंभु शिव धीमन वनर्स कामरिपु नाम त्रिनयन त्रिंबक त्रिपुरत्न रइमि उमापति होई जटी पर
की धरजटी नाम कंबु मृड मोर्ई३४ महादेव मदेव कालि जाको धरति धियाने ताकौं त्रं कपरी कहत इह धौं कोन अयोन ३५ [illegible]
मंदार दिवाकर विभाकर दिनकर भास्कर हंस मिहिर तिमहर प्रभाकर विवस्वान तिममंस३६ ब्रधन विरोचन विभावसु मार्तंड
वर्ग अंसुमालि तरणि सविता सूर पतंग३७ ब्रह्म मंडन जाहि को कहत है मुनिजन जाहि कोइ इह नाग रतन द को स्यो बानि
कपरी आहि३८ मिथ्या नाम मिथ्या मोघ मृषा अनृत वितथ अनीक निरर्थ ऐसे पियको कहो जिन क्यों बोलीये
विरत्य३९ अनेकार नाम प्रतिपा[illegible] अनिहूर नटेखपम मीपे अस्याम्व अवर्स अनादर होइ जो रहै निरंतर पाय४० चंदन नाम
गंधसार श्रीखंड हरि मलयज सुचंद्र पटीर चंदन को इंधन करते मलयावासी भील४१ मीन नाम सफरी अनिमिष मत्स्य लोम
प्रशु रौमा पाठीन मकर झष जलचर मीन जगत बैसारल जल मीन४२ धीर सुभद्र के मीन जिम बसत चंदे छिन आहि४३ चंदन मीन जानत
जलचर मानत तामें [damaged] सागर नाम सिंधु सरितपति नदीपति अंबोनिधि कूपार रत्नाकर अर्णव उदध कुअंत अवधि

७३ कोकिला नाम परभृ [damaged] कद्विग पिक ध्वनि नव सवुंज जानों पियं आतुर निरविरहि हरत नवलि कुंज७४ इंदी नाम गोकुल धावन कर
गुलइंदी ज्यौ अनु पाय [damaged] माधव निलै परम प्रेम रस नाय७५ माला नाम माला धक सज गुन बतीय इल्नु नामको दाम लु नर कंठ करिहै सुमन से
है छवि को धाम७६ युगल नाम जमल युगल युग धैध द्वै उजयनि छन विविधि वीर्य युगल को सोरय दाव मोनद दास केतीय७७ इति श्री मानमंज
री नाम अपरनाममाला दोहा नंददास कृत संपूर्ण लिषतं चंदन दत्त मया करि नालाल तैष आर नपी मंगोयव नगरे वाः श्री कृष्ण पाठ पा वजी दिन प कार्तिक